डोरड़ी ने लेर काई हाको रे देवासी बीरा देसी भजन

डोरड़ी ने लेर काई हाको,
रे देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

सुरता साड टोणर माई,
पारन पायो आको,
मनड़ रो मयो साड र लार,
जूडो भर मसताको,
रे देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

इण साड न जुगत सू पकड़ो,
नाक बिदाओ हाको हो,
राम नाम री नकेल घलाओ,
केणो मान सी थाको,
देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

छमा सेवटी साड पर माडो,
गम रा गीदीया नाखो,
परेम पिलाण साड पर माडो,
तग खीचालो काटो,
देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

पग दे पागड़े चीत रे चडजा,
मुगती रे मारग हाको,
पाच कोस से बीर आग लग जा,
फिर डर काको,
देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जनम जनम रा ओठी तु डीकता,
पतो कोनी मात पीता को,
कहत कबीर सुनो भाई साधु,
अबका मोसर पाको,
देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

डोरड़ी ने लेर काई हाको,
रे देवासी बीरा,
डोरड़ी ने लेर काईं हाको।bd।

प्रेषक – सुभाष सारस्वत काकड़ा।
मोबाइल 9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com